भोपाल में छह सौ करोड़ की लागत से स्किल पार्क स्थापित होगा: शिवराज

पानी की बोतल देकर गुड मार्निंग-गुड ईवनिंग बोलने वाले ड्रायवर हमारे देश में भी होंगे: रूडी

रोजगार की पढ़ाई-चलो आईटीआई का शुभारम्भ

मुख्य संवाददाता, भोपाल

देश में आज हर सेक्टर में कुशल लोगों की जरूरत है। कल ही तीन लाख ट्रेंड ड्रायवर चाहिए। मगर ओला-उबर के ड्रायवर कैसे हों? आपके पहुंचते ही गुड मार्निंग-गुड ईवनिंग बोलें, पानी की बोतल देकर गेट खोलें। जीपीएस में गंतव्य स्थान का नाम भरकर आपको वहां तक पहुंचा दें और पेमेंट के वक्त कहे कि आप बैठिए मैं पाइंट ऑफ सेल से पेमेंट कर देता हूं। क्या हमारे देश के ड्रायवर थोड़ी बहुत अंग्रेजी नहीं बोल सकते? जरूरत थोड़ी सी ट्रेनिंग की है। हम ऐसी ही ट्रेनिंग उन्हें देंगे।

केंद्रीय कौशल संवर्धन राज्यमंत्री राजीव प्रताप रूडी ने गोविंदपुरा आईटीआई में गुरूवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ रोजगार की पढ़ाई-चलो आईटीआई अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल संवर्धन राज्यमंत्री दीपक जोशी, सांसद आलोक संजर, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास डा. कल्पना श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। श्री रूडी ने कहाकि 67 साल से देश में सारा जोर शिक्षा पर ही था। ट्रेनिंग की कोई अहमियत नहीं थी। मगर अब क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर कौशल बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज देश में 25 लाख कैमरामेन की जरूरत है। दस

लाख कुशल गार्ड की सुरक्षा एजेंसियों में जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी जरूरत को समझते हुए कौशल संवर्धन मंत्रालय बनाया है। अब पढ़ाई के साथ ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

मप्र का काम देश में सबसे अच्छा : केंद्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश को कौशल उन्नयन के क्षेत्र में सबसे अच्छा काम करने वाला प्रदेश बताया। प्रदेश ने सबसे पहले कौशल संवर्धन विभाग बनाया। इसके अलावा आईटीआई को दसवीं-बारहवीं के समकक्ष घोषित करने वाला पहला राज्य भी मध्यप्रदेश है।

इंजीनियरिंग कालेज बंद कर आईटीआई खोल लें- सीएम

मुख्यमंत्री चौहान ने कहाकि जरूरत से ज्यादा इंजीनियरिंग कालेज खोल लिये गए। आज हालत यह है कि भृत्य की नौकरी पाने के लिए इंजीनियरिंग पास युवा लाइन में खड़े हो जाते हैं। कालेज संचालकों को ऑफर दे रहा हूं, वे इंजीनियरिंग कालेज बंद कर आईटीआई खोल लें। मुख्यमंत्री ने कहाकि आईटीआई में गैर जरूरी ट्रेड नहीं चलेंगे। जरूरत के हिसाब से ट्रेड चलाए और बंद किए जाएंगे। उन्होंने गुणवत्ता पर जोर देते हुए निजी आईटीआई संचालकों को चेतावनी दी कि हम किसी भी छात्र को छलने का मौका नहीं देंगे। निजी आईटीआई को भी सभी मापदंडों का पालन करना होगा। उन्होंने कहाकि केंद्र द्वारा बजट में ट्रेनिंग के लिए रखे गए 30 हजार करोड़ रुपए में से अधिकांश राशि मध्यप्रदेश में ले आएंगे। कार्यक्रम में कोपा व्यवसाय के 4 दिव्यांग छात्रों को लैपटाप प्रदान किया गया। प्रशिक्षणरत 246 छात्रों को भी लैप टाप प्रदान किया जायेगा। वहीं 1.5 लाख लोगों के कौशल प्रशिक्षण के लिए एनएसडीसी, आईआईएफएम, आईआईएसईआर, ग्रामोदय विवि चित्रकूट आदि के साथ एमओयू किया गया।

सीएम यह भी बोले

■भोपाल में 600 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय स्किल पार्क स्थापित होगा। ■10 संभागों में उत्कृष्ट आईटीआई स्थापित होंगे। प्रत्येक आईटीआई में लगभग 40 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। ■आईटीआई उत्तीर्ण छात्रों को प्रदेश संचालित ऋण योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। ■कौशल विकास में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारिओं -कर्मचारिओं को पुरस्कृत किया जायेगा। ■प्रत्येक तीन वर्ष में संचालित व्यवसायों की समीक्षा होगी। जिनकी मांग बाज़ार में नहीं हैं ऐसे ट्रेड बंद किए जाएंगे।

यह भी बोले रूडी

■हमारे देश में वेल्डर की इमेज सड़क किनारे खिड़की-दरवाजे बनाने वाले की है। जबकि ट्रेनिंग प्राप्त वेल्डर ढाई लाख रुपए वेतन लेता है।

■पहले आईटीआई श्रम मंत्रालय के तहत आते थे, जिसके कारण युवाओं में कौशल के प्रति उत्सुकता का अभाव था, प्रधानमंत्री द्वारा पृथक से कौशल विकास मंत्रालय का गठन किया , इस वर्ष इस मंत्रालय को 30000 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।

सभी राज्यों में खुलेंगे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल

भोपाल मुसं। हर राज्य में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल खुलेंगे। आईटीआई में प्रोक्लेन, जेसीबी और लिफ्ट सुधारने और चलाने का भी प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने यह बात ज्वाइन हैंडस फॉर स्किलिंग मध्यप्रदेश कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि विदेश में काम के लिए जाने वाले युवाओं को प्री डिपार्चर ट्रेनिंग दी जायेगी। इस ट्रेनिंग में हुनर सिखाने के साथ ही संबंधित देश के नियम-कानून भी बताए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अब नई आईटीआई अंतर्राष्ट्रीय मानक की ही खुलेंगी। तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री दीपक जोशी ने कहा कि भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क के लिए 44 एकड़ जमीन चिन्हित की जा चुकी है। उन्होंने श्री रूडी से प्रदेश में इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर स्वीकृत करने का आग्रह किया। इस मौके पर प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा कल्पना श्रीवास्तव, एनएसडीसी के सीईओ मनीष कुमार और संचालक कौशल विकास संजीव सिंह भी उपस्थित थे।